

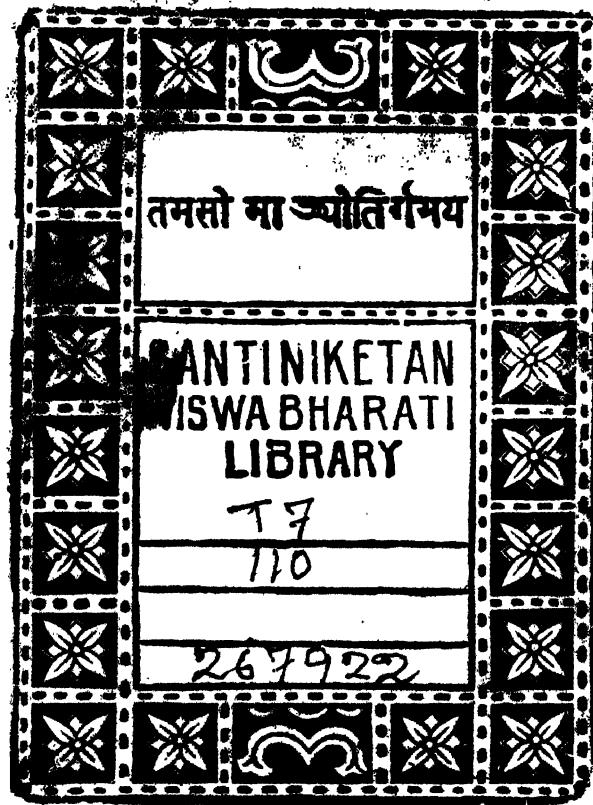
ষষ্ঠিতম খণ্ড

স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর



বিশ্বভাৱতী গ্ৰন্থালয়  
কলিকাতা



বন্দুলিপিকার  
শ্রীশৈলজ্ঞারঞ্জন মজুমদার

প্রকাশ কাল্পন ১৩৭৯  
পুনরুৎসূপ চৈত্র ১৩৮২  
বৈশাখ ১৩৯০ : ১৯০৫ খ্রি

© বিশ্বভারতী

প্রকাশক শ্রীঅগন্ধি ভৌমিক  
বিশ্বভারতী । ৬ আচার্য অগৱাণীশ বন্ধু হোল | কলিকাতা । ১১  
মুদ্রক শ্রীশুনীলকুমাৰ পোদ্দার  
শ্রীগোপাল প্রেস । ১২১ রাজা নীনেজ স্ট্রিট । কলিকাতা । ৪

অন্তর্মুদ্রার পরম বেদনাম	৪৫
আকাশে ছই হাতে প্রেম বিলাস	৯
আজি কোন হৃষে বাধিব	২২
আপনহাতা আতোহাতা	২৪
আমার বেতে সরে না থন	২৭
ওগো কিশোর, আজি তোমার ঘামে	৩০
ওগো পঞ্জোশিনি, তুনি বনপথে	৩১
ওয়ে জাগাষো না	৩৯
ভূমি এ-গায় ও-গায় কর কে গো	৮
ভূমি বে আবারে চাও	১২
তোমার হাতের রাখীধানি বাঁধো	১৪
চুখ্যাতে, হে নাথ, কে ভাকিলে	১৬
দৈবে ভূমি কখন নেশায় পেয়ে	৪২
বাহির হলেম আমি আপন	৪৭
হস্যে হস্য আসি মিলে হাঁয় বেথা	১৮

আকাশে      ছই হাতে প্রেম বিলায় ও কে !  
 সে সুধা      ছড়িয়ে গেল লোকে লোকে ।  
 গাছেরা      ভরে নিল সবুজ পাতায়,  
 ধরণী      ধরে নিল আপন মাথায় ।  
 ছেলেরা      সকল গায়ে নিল মেধে,  
 পাখিয়া      পাখায় পাখায় নিল একে ।  
 ছেলেরা-      কুড়িয়ে নিল মায়ের বুকে,  
 মায়েরা      দেখে নিল ছেলের মুখে ।  
 সে যে ওই      ছঃখশিখায় উঠল অলে,  
 সে যে ওই      অঞ্চল্ধাৰায় পড়ল গলে ।  
 সে যে ওই      বিদীৰ্ঘ বৌৰ-ছদয় হতে  
 বহিল      মৱণকূপী জীবনস্ত্রোতে ।  
 সে যে ওই      ভাঙাগড়াৰ তালে তালে  
 নেচে যায়      দেশে দেশে কালে কালে ।

গা | গা গা -মা II { গা -না না | না ধা .-না I ধা পা -। |  
 আ কা লে . হ ই হ তে প্রে ম্ বি লা .  
 | -1-(-ধা I মা -1 -1 | পা -1 -ধপা I মা -পধপা -মপা | গা -1 -1 I  
 . . ম্ বি . . লা . . ম্ ও . . . . . কে . .  
 I -1 -1 গা | গা গা -মা) } I -1 I -1 -1 লা | লা লা -। ]  
 . . আ কা লে . . . . . ম্ লে হ ধা .  
 I রা রা রা | গা গা -1 I মা পা -ধা | ধপা মপা -। ]  
 হ ডি দে প্রে ল . . লো কে . . লো কে . .  
 I -1 -1 গা | গা গা -মা II  
 . . “আ কা লে .”

-I II -1 -1 | পা | {ধা ধা -সা I সা সা -র্শা | সা -র্শা শৰ্শা I  
• • ষ্ট গা ছে ষ্টা • ষ্ট রে • নি ..

I সা -1 -1 | -1 -1 I সা সা -1 | না না -1 I  
ল • • • • স বু ষ্ট পা তা •

I -1 -1 মা | না না -1 I ধা না -1 | ধা -ন্দা ন্দনা I  
• ষ্ট ধ র জী • ধ রে • নি ..

I ধপা -1 -1 | -ধা -না -ধা I পা ধা -1 | ধনা ধপা -1 I  
ল • • • • আ প বু ষ্ট ষ্টা ধা •

I -1 -1(পা) } | পা | পা পা -1 I পা পা -দা | দা দা -1 I  
• ষ্ট গা ছে লে ষ্টা • স ক ষ্ট গা রে •

I পা পা -দা | দা পা -1 I -1 -1 পা | পা পা -1 I  
নি ল • মে ধে • • • পা ধি ষ্টা •

I মা পা -1 | পা পদা -শপা I মা পা -মদা | পা মগা -1 I  
পা খ ষ্ট পা খা • ষ্ট নি ল .. এ কে •

I -1 -1 গা | গা গা -মা II  
• • “মা কা শে •”

-I II -1 -1 সা | {সা সা -1 I সা রা রা | রা রা -1 I  
• • ষ্ট ছে লে ষ্টা • ষ্ট ফি. রে নি ল ..

I রা গা -1 | রা -1 -গমা I শ্বা -1 গা | গা গা -মা I  
শা লে ষ্ট বু • • • কে • বা রে ষ্টা •

I মা মা -পা | পা পা -দা I পা পা -দা | পা -দা পদা I  
 দে ধে . নি ল . হে লে ব ম .. .

I পা -১ পা | পা পা -১ I পা -১ দা | পা দা -১ I  
 ধে . লে লে ও ই হ ক খ পি থ . ম .

I পা -১ দা | পা দা -১ I -১ -১ দা | দা পা -১ I  
 ত ট ল অ লে . . . . লে ধে ও ই

I মা -১ পা ।'পা পদা -পা I মা -১ পদা | পা মগা -১ I  
 ম ষ অ গ গা গা ম গ গ গ' লে . .

I -১ (সা) } | পা | {ধ ধ স্বা I সা সা -১ | সা সা -১ I  
 . . ছে সে ষে ও ই বি দী ব ব বী ব

I সা সা -১ | সা -স্বা -র্গা I র্গা -১ সা | সা সা -১ I  
 দ ম ম হ .. . . ডে . . ব বি স

I মা সা -১ | না না -১ I ধ না -১ | ধ স্বা -স্বা স্বা I  
 ম র ন ক পী . জী ব ন শো .. .

I ধপা -১ পা } | পা পা -১ I পা পা -দা | দা দা -১ I  
 ডে . লে ধে ও ই তা তা . . প তা ব

I পা পা -দা | পা দা -১ I -১ -১ দা | দা পা -১ I  
 তা লে . তা লে . . . . নে তে ব ম .

I মা পা -১ | পা পদা -পা I মা পা -স্বা | পা মগা -১ I  
 দে দে . দে দে . . কা লে . . . . কা লে . .

I -১ -১ পা | গা গা -মা II II  
 . . "কা কা লে . "

তুমি    এ-পার ও-পার কর কে গো ওগো খেয়ার নেয়ে ?  
 আমি    ঘরের দ্বারে বসে বসে দেখি যে সব চেয়ে ।  
 ভাঙ্গিলে হাট দলে দলে    সবাই যবে ঘরে ঢলে  
 আমি তখন মনে ভাবি আমিও যাই থেয়ে ।  
 দেখি    সক্ষ্যাবেলা ও পার -পানে তরণী ধাও বেয়ে ।  
 দেখে    মন যে আমার কেমন করে, ওঠে যে গান গেয়ে  
 ওগো খেয়ার নেয়ে ।  
 কালো জলের কলকলে    আধি আমার ছলছলে,  
 ও পার হতে সোনার আভা পরান ফেলে হেয়ে ।  
 দেখি    তোমার মুখে কথাটি নাই ওগো খেয়ার নেয়ে—  
 কী যে    তোমার চোখে লেখা আছে দেখি যে সব চেয়ে ।  
 আমার মুখে ক্ষণতরে    যদি তোমার আধি পড়ে  
 আমি তখন মনে ভাবি আমিও যাই থেয়ে  
 ওগো খেয়ার নেয়ে ।

সা সন্তা II সা    সা -জা | রা জা -। । রা    জা -। | মপমা    পা -ম |  
 তু মি- এ    পা    ব    ও    পা    ব    ক    ব    র       কে-    গো    .  
 .  
 I    মা    জা -মসা |    সা    সরা -মজরজা |    রা    সা -। | -।    পা    মা I  
 ও    গো    . .    খে    মা . .    ০ . .    মে    বে . .    কা    মি .  
 .  
 I    মপা    পা -। |    পা    পা -মা I    মপা    পা -। |    শথ    শশা -ধপা I  
 ব .    মে    ব .    কা    মে . .    ব .    মে . .    ব .    মে . .  
 .  
 I    পা    পা -দা |    পা    মা -পা I    পা -। -মা |    পমা    -পদা -শপা I  
 মে    ধি . .    মে    ম    ব .    তে . .    . .    মে-    . . . .

I মা জা -রসা | সা সৱা -মজুরজ্জা I রা সা -। -। -। -।  
 ও গো .. খে যাৰো ০০০ৰ নে যে . . .

[পথপা -পণা]

I {পা পা -মা | মজা জা -মা I পা না -। না সা -। I  
 ভা তি . লেৰ হাই দলে . দলে .

[-]

I না সা -জ্জা | রী সা -। I না সা -নৰ্বা | সা ণা -খা } I  
 স বা ই থ বে . থ বে . থ বে . থ চলে .

I মা পা -। পা পা -মা I পণা ণা -। ণধা শণা -ধপা I  
 আ বি . ত থ ন থ . নে . তাৰ বি . .

I পা পা -দা | পা মা -পমা I গা -। -মা | গমা -পদা -শপা I  
 আ বি . শ ঘ . ই থে . থে . থে . .

I মা জা -রসা | সা সৱা -মজুরজ্জা I রা সা -। -। সা সা I  
 ও গো .. খে যাৰো ০০০ৰ নে যে . . দে ধি .

I না -না | পা না -। I সা সা -। সা সা -। -রা I  
 স ন থ বে লা . ও গা র পা নে .

I না -না -। | পা না -। I না সা -। -। মগা মা I  
 ত র . গী যা ও বে যে . . দে ধে .

I মা -পা পা | পা পা -মা I পণা ণা -। ণধা শণা -ধপা I  
 থ ন থ যে আ মা র কে . য ন ক . যে . .

I পা পা -দা | পা মা -পা I গা -। -মা | গমা -পদা -শপা I  
 ও ঠে . যে গা ন গে . . থে . . .

I मा जा -रसा | सा सरा -मजराजा I रा सा -१ | -१ -१ -१ I  
 ओ गो ०० खे या० ०००० ले रे ० ० ० ०

I { पा पा -१ | ग्मा ज्ञा -मा I पा ना -१ | ना र्सा -१ I  
 का लो ० अ ले र् क ल ० क ले ०

I मा र्सा -र्जा० | र्षा० र्सा० -१ I मा र्सना -र्हा० | र्सा० पा० -१ } I  
 आ धि ० आ मा र् छ ल० ० छ ले ०

I र्सा० णा० -१ | था० णा० -१ I र्सा० णा० -दा० | दा० पा० -१ I  
 ओ० पा० र् ह ते० लो० ना० र् आ०

I पा पा -१ | पा पा -मा० I पा छे० -१ -र्हा० | था० णा० -१ I  
 ए० वा० र् फे० ले० ० चे० ना० र् आ०

I -१ -१ -१ | -१ था० णा० I थर्सा० णा० -१ | था० पा० -१ I  
 • • • दे० धि० ते० गा० र् य०

I मा जा -१ | रा० सा० -रा० I जा० जरा० -मजा० | रा० रा० -जा० I  
 क खा० टि० ना० इ० ओ० गो० ०० खे० या० र् य०

I श्रा० सा० -१ | -१ मगा० मा० I मपा० पा० -१ | पा० पा० -मा० I  
 ले० रे० ०० बौ० ये० ते० ना० र् चे० धे०

I पणा० णा० -१ | णथा० णणा० -थपा० I पा० पा० -दा० | णपा० मा० -पा० I  
 ले० खा० ०० आ० छे० ०० ले० धि० ०० वे० ने०

I गा० -१ -मा० | मपा० -१ -१ I { पा० पा० -ग्मा० | मजा० जा० -मा० I  
 ते० ०० रे० ०० ०० आ० ना० र् य० ०० खे०

I পা না -। না সা -। I না সা -জা | রা সা -।  
 ক এ . ত যে . ব দি . তো মা ব  
  
 I না সা -নর্জা | সা না -। I মা পা -। পা পা -মা I  
 আ ধি .. প ফে . আ মি . ত থ ব  
  
 I পণ না -। শধা শণা -ধপা I পা পা -দা | পা মা -পা I  
 ম . নে . ভা বি .. আ মি . ও য ই  
 . .

I গা -। গমা -পদা -গপা I মা জা -রসা | সা সরা -মজুরজ্জা I  
 যে . . যে . . . . ড গো .. খে হা . . . . ব

I রা সা -। -। -। -। II II  
 নে যে . . . . .

তুমি যে আমারে চাও আমি সে জানি ।  
 কেন যে মোরে কাদাও আমি সে জানি ॥  
 এ আলোকে এ ঝাঁধারে কেন তুমি আপনারে  
 ছায়াখানি দিয়ে ছাও আমি সে জানি ।  
 সারাদিন নানা কাজে কেন তুমি নানা সাজে  
 কত স্থুরে ডাক দাও আমি সে জানি ।  
 সারা হলে দে'য়া-বে'য়া দিনান্তের শেষ খেয়া  
 কোন দিক-পানে বাও আমি সে জানি ॥ ০

II সা রা গা -। | গধা ধা পা -ঙ্গা | গা -মা -রা -। | -। -। -গা -মা |  
 তু মি যে • আ • মা যে ॥ ০ চ • . . . . . ৭

I গা রা সা -থ্য | সা -। -। -রগা | গা -। -। -। | -। -। -। -। |  
 আ মি সে • জা • . . . . . নি • . . . . . . . . .

I গা গপা পা -। | পা পঙ্কা পঙ্কা -না | ধঙ্কা -ধপা -ঙ্কা -পা | -। -। -। -। |  
 কে ন . যে • মো রে • কী . . ন্দা . . . . . . . . . ৭

I সা সা সরা -ন্দা | সা -। -। -রগা | গা -। -। -। | -। -। -। -। |  
 আ মি সে • . জা • . . . . . নি • . . . . . . . . .

গা গা II { পা -ঙ্কা ধা -পা | ধা -সী সী -। | সী -না শ্বী -। | পা -সী সী -না |  
 এ আ লো • কে • এ • ঝী • ধা • রে • কে • ন .

I না -ধা ধা -। | ধা -না পধা -না | ধনা -ধা ধপা -। | (-। -। গা গা) } I  
 তু • মি • আ • প . . . . না . . রে • . . . . এ আ

| পা -ক্ষা পা -না I না -ধা ধা -পা | পা -ক্ষা খ্পা -ক্ষা | গা -ন -ন -ন | ন -ন -ন -ন I  
ছা • রা • ধা • নি • দি • রে • হা • • • • • • • • •

I সা সা সরা -না | সা -ন -ন -রগা | গা -ন -ন -ন | ন -ন -ন -ন II  
আ দি লে • • জা • • • নি • • • • • • • •

সা সা II { সা -ন -ধা -ন | ন -ন -ধা ধা | ধা -সা সা -ন | ন -ন সা শপা I  
সা রা দি • • • ব না না কা • জে • • • কে ন  
• •

I পা -ন পা -ন | পা -ক্ষা খ্পা -ক্ষা | গা -মা গা -ন | ন -ন গা ক্ষা I  
তু • মি • না • না • সা • জে • • • ক ত

I পা -ক্ষধা পা -ক্ষা | গা -ন -ক্ষা -ন | সা -ন -ন -ন | ন -ন -ন -ন I  
হ • • রে • জা • • ক লা • • • • • • • •

I সা সা সধা -না | সা -ধা -ন -জইঞ্চসা | সা -ন -ন -ন | ন -ন (সা সা) } I গা গা I  
আ দি লে • • জা • • • • নি • • • • সা রা সা রা

I { পা -ক্ষা ধা -পা | ধা -সা সা -ন | সা -না শৰ্সা -ন | পা -সা সা -না I  
হ • লে • দে • রা • নে • রা • দি • না ব

I না -ধ: -ধ: ধা | ধা -ন -ধৰ্মা -না | ধনা -ধা খ্পা -ন | (-ন-ন গা গা) } I  
তে • • র শে • • • ষ খে • রা • • • সা রা

| পা -ক্ষা -পা -না I ধা -ন -পা -ন | পা -ক্ষা খ্পা -ক্ষপা | গা -ন -ন -ন | ন -ন -ন -ন I  
কো • • ব দি • ক গা • নে • • রা • • • • • • •

I সা সা সরা না | সা -ন -ন -রগা | গা -ন -ন -ন | ন -ন -ন -ন II II  
আ দি লে • • জা • • • • নি • • • • • • •

ତୋମାର ହାତେର ରାଥୀଧାନି ବୀଧେ ଆମାର ଦଧିନ-ହାତେ  
ଶୂର୍ଯ୍ୟ ସେମନ ଧରାର କରେ ଆଲୋକ-ରାଥୀ ଅଡ଼ାୟ ଓାତେ ॥  
ତୋମାର ଆଶିସ ଆମାର କାଜେ ସଫଳ ହବେ ବିଶ-ମାରେ,  
ଜଳବେ ତୋମାର ଦୀପ ଶିଖା ଆମାର ସକଳ ବେଦନାତେ ॥  
କର୍ମ କରି ଯେ ହାତ ଲୟେ କର୍ମବୀଧନ ତାରେ ବୀଧେ ।  
କଲେର ଆଶା ଶିକଳ ହୟେ ଜଡ଼ିଯେ ଧରେ ଜଟିଳ ଫାଦେ ।  
ତୋମାର ରାଥୀ ବୀଧେ ଆଟି— ସକଳ ବୀଧନ ଯାବେ କାଟି,  
କର୍ମ ତଥନ ବୀଗାର ମତୋ ବାଜବେ ମୁହଁର ମୁହଁରାତେ ॥

II ସା ଶଦା ଦା | ଦା ଦା ଦା | ଦା ଦା ଦା | ଦପା ପା -୧ | ପା -ଣୀ -୧ | ଦା -୧ -୧ |  
ତୋ ଶା ର ହା ତେ ର ରା ଥି ଥ ନି . ବା . ବୋ . . . .

I ପା ଶପା ଜା | ପା ଶପା ଜା | ଜମା ଜା -୧ | -ଶା -୧ | ଶା -୧ | ଶରୀରୀ ଶା -୧ |  
ଆ ଶା ର ଦ ଧି ନ ହାତେ . . . . ଶ୍ରୀ ଯ ଯେ ଶ ନ

I ଶରୀରୀ -୧ | ଶରୀରୀ ଶରୀରୀ | ଗା -୧ ଗା | ଗା -୧ ଗଦା | ଗଦା -୧ ଦପା | ପା -୧ -ଶା |  
ଧା ର କୁ ରେ ଆଠେ ଲୋ କ ମା ଥି -କୁ . କା ହୁ ଆଠେ .

I -ପା -୧ -ଶା | -ଣୀ -୧ -୧ II

II { ଦା ଦା -୧ | ଗା ଶା -୧ | ଶରୀରୀ -ଶା | ନା ଶା -୧ | ଦା ଦା -ଜା | ଜରୀ ଜା -୧ |  
ତୋ ଶା ର ଆ ଲି ଶ ଆ ଶା ର କାହେ . . ଲକ ଶ ହା ବେ .

I ଜା -ରଜୀ ଜା | ରଜୀରୀ ଶା -୧ } | ଶା -ଜା ରଜୀରୀ | ରଜୀ ରଜୀ -ଶା | ରଜୀରୀ -୧ ଶା |  
ବି . ଶ ଶ ଶା ବେ . ଅ ଶ ଯେ . ତୋ ଶା ର ନୀ . ନ ତ

| সৰুা সা সৰ্গা I গা -। গদা -। দপা I পা -। পদা | মপা -। জা I  
শি. খা আ. শা ব. স. ক. ল. ষে. ষ. ন. তে. . .

I -পা -। জা | -গা -। -II  
. . . . .

II { সা -। খাঃ | মা মা-পা I পা পা-। | পা পা-। পা-দা দা | দা দা-পণা I  
ক ব য ক রি . ষে হাত ল ষে . ক ব য বী থ ন.

I গা গদাঃ-গা | গদাঃ-পা-। গৰ্বা সা-। | সৰুা গৰ্বা-গা I গা গা-দা |  
জা ষে. . বী ষে . ফ লে ব আ. শা . শি ক ল

| দা গদা-পা I মপা মপা জা | জপা গদা-পা I মা জখাঃ-জা |  
হ ষে . জ. তি ষে থ. ষে. . জ টি. ল

| খা সা -। { দা দা -। | গা সা -। সৰুা সা -। | না সা -। I  
ফ লে . তে মা ব রা বী . বী ষে . আ টি .

I দা দা-জা | জৰ্বা জা-। জা জৰ্বা-জা | জৰ্বা সা-। সৰুা -জা জৰ্বা |  
স ক ল বী. থ ন য ষে. . ক টি. ক ব য .

| শৰুা শৰুা-সা I সৰুা সা-। | সৰুা গা-। গপা-। পণা | গদা গদা-পা I  
ত থ ন বী. গা ব য. ত ন বা. জ ষে. ষ. থ ব

I মপা-। পদা | মপা জা-। -গা-। -। -। -। -। -। II II  
ম. ব. ছ. ন. তে . . . . .

১. মূল-গীতকণ: I পা-গা-দাঃ | পা মপা জা I...

ধো . . আ শা ব

দানৰা ভালে যেলাবাব অভ অয়লিপিতে তিন মাজা বাঢ়ানো হষ্টেছে।

ছঃখরাতে, হে নাথ, কে ডাকিলে—  
 আগি হেরিছু তব প্রেমমুখহীবি ।  
 হেরিছু উষালোকে বিশ তব কোলে,  
 আগে তব নয়নে প্রাতে শুভ্র রবি ।  
 শুনিছু বনে উপবনে আনন্দগাথা,  
 আশা হৃদয়ে বহি নিত্য গাহে কবি ॥

II	পা	-১		-অপা	-ধপথা	পা		পগা	-পমা		মগা	<u>গমা</u>	- <u>গমরা</u>	I
	হঃ	.	..	...	খ	ঘা	.	০	০	তে	.	হে	০	...
I	মগমগা	-রগা		মা	পক্ষা	-ধপস্কপা		মগা	-মা		রা	সা	-১	I
	না	০	..	খ	কে	০	.....	ঘা	০	•	বি	লে	•	
I	সা	-১		সমা	-গা	মপা		পা	-১		-১	পা	পা	I
	জা	.	গি	০	.	হেমি	হ	.	০	•	ত	লে	ব	
I	অপা	-ধনা		-র্সৰ্সা	-নৰ্সা	<u>ধ</u>		<u>-পা</u>	-১		-মা	মা	-পা	I
	ও	০	..	...	০	ম	.	০	•	•	•	মু	•	
I	-মপা	-ধপথা		পমা	গা	-মা		-রা	-১		-সা	-১	-১	II
	০	...	খ	ছ	বি	০	•	০	•	•	•	০	•	
II	{	পা		পা	পর্সধা	-সা		সা	-১		সা	সা	-১	I
	হে	ৰি	হ	০	.	উ	ঘা	.	০	লে	কে	কে	•	
I	সা	-ধা		না	সা	রা		সা	-না		নৰ্সা	<u>-ধা</u>	-পা}	I
	বি	০	খ	ত	ত	ব	কে	০	লে	০	লে	০	•	

I মা -। মগা -রগা মপা | পা -। পৰাপা -।  
 আ . গে . . ব . ম . ব . লে .

I ক্ষপা -ধনা | -সৰ্বসা -বসা ধা | -পা -। -মা মা -পা I  
 আ . . . . . তে . . . . ত . .

I -মপা -ধণধা | পমা গা -মা | -বা -। -সা -। -। II  
 . . . . অব বি . . . . . . .

II { পা পা | গৰ্ধা -সা সৰ্বসা | সা সা | -। সা সা I  
 ও নি হ . . বনে ঙ ণ ণ . ব লে

I সা -ধা | মা -সা মসৰ্বা | সা -বা | মস্বা -ধা } -পা } I  
 আ . ম ম . ম . গা . থা .

I মা -। মগা -রগা মপা | পা -। পা পা -। I  
 আ . শা . . ব . মে . . ব হি .

I ক্ষপা -ধনা | -সৰ্বসা -বসা ধা | -পা -। -মা মা -পা I  
 নি . . . . . ত্য . . . . গা .

I -মপা -ধণধা | পমা গা -মা | -বা -। -সা -। -। II II  
 . . . . হেক বি . . . . . . .

সন্দয়ে সন্দয় আসি মিলে যায় যেধা,  
হে বঙ্গ আমাৰ,  
সে পুণ্যতীর্থেৰ যিনি জাগ্রত দেবতা  
তাঁৰে নমস্কাৱ ॥

বিখলোক নিত্য ধাৰ শাশ্঵ত শাসনে  
মৱণ উত্তীৰ্ণ হয় প্ৰতি ক্ষণে ক্ষণে,  
আবৰ্জনা দূৰে যায় জৰাজীৰ্ণতাৰ,  
তাঁৰে নমস্কাৱ ॥

যুগান্তেৰ বহিস্মানে যুগান্তৰদিন  
নিৰ্মল কৱেন যিনি, কৱেন নবীন,  
ক্ষয়শেষে পৰিপূৰ্ণ কৱেন সংসাৱ,  
তাঁৰে নমস্কাৱ ।

পথ্যাত্ৰী জীবনেৰ ছঃখে স্মৃখে ভৱি  
অজ্ঞানা উদ্দেশ -পানে চলে কালতৰী,  
ক্লান্তি তাৰ দুৱ কৱি কৱিছেন পাৱ,  
তাঁৰে নমস্কাৱ ॥

II সণ্ধি | সা | সৰ্বাঃঁ | -সঃ সণ্ধি | এসণ্ধি ষণ্ডি | ষণ্ডি: -পঃ পা |  
ছ দ রে . হঁ দুঁ দুঁ ষুঁ ষুঁ ষা .

I পা দা | দণ্ডি: -দঃ দপা | পা -মা | মা -পা | -গা I  
মি লে দা . দুঁ দুঁ

I গপা পগা | গপা -গা গা | গপা -। | -সা -। -। I  
হে . দু দু . দু দু

I	গা	সমা   মা	-।	শা   মা	মা   মা	-পা	গা	I
লে	পু   গ	।	জী	র্বে	ব	বি	নি	
I	মা	-দাঃ   না	সা	সর্বাঃ   সর্বা	-দাঃ   না	-সা	-।	I
আ	।	ঘ	ত	দে   ব	।	তা	।	
I	সর্বাঃ	সর্বাঃ   সর্বাঃ	গাঃ	-দা   প্রা	।   -পা	-।	-মা	I
জ্ঞাঃ	বে   ম	ম	শ	ক	।	ত্য	ব	
I	মা	মা   মা	-গা	পা   মা	-।   -।	-।	-। II	
হে	বন   শ	।	শা	শা	।	ত্য	ব	
II	{ দাঃ	-।   দাঃ	না	সা   শ্বাঃ	-।   সা	না	সর্বাঃ	I
বি	।	খ	লো	ক	।	ত্য	থ	
I	সর্বা	-দাঃ   না	সা	সর্বাঃ   না	-।   সা	-।	-। I	
শা	।	খ	ত	শা	।	নে	ৰ	
I	সা	গী   গী	গর্মা	-পা   গর্মা	-গী   শ্বাঃ	শ্বাঃ	সা	I
ম	ব	ণ	উ	।	জ্ঞাঃ	ব	ব	
I	সর্বা	দাঃ   না	সা	-।   সর্বাঃ	-না   সা	-।	-। } I	
প্র	তি   ক	।	শে	।	শে	।	ৰ	
I	না	সা   সর্বাঃ	-সঃ	সর্বা   গর্মা	গর্মা   গা	-দা	পা	I
শা	বন   জ	।	।।	না	।	বে	শ	
I	পা	দা   শা	-দা	দপা   পা	-শা   -শা	-পা	-গা	I
জ	বা   জী	।	ব	ণ	।	ত্য	ব	

I মা মা | মা মা -ৱ | মা -দাঁ | -না -র্সা -র্ধাঁ I  
 . ঠা রে নৰ ব দ কা .

I র্সা দাঁ | মা র্সা -র্ধর্সা | মা -ৱ | -সা -ৱ -ৱ II  
 ঠা রে ন ব -ৰ কা .

II মা সমা | মা -ৱ মা | মা -ৱ | মা -ৱ মা I  
 শু গান্তে .

I মা -পা | -গা -ৱ -ৱ | -ৱ -ৱ -ৱ -ৱ -ৱ I  
 লে .

I মা দাঁ | মা -ৱ না | সা -ৱ | -ৱ -ৱ -ৱ I  
 শু গান্তে .

I সা -র্ধাঁ | র্ধাঁ র্ধর্সা সণা | র্সণা র্সণা | শণা -ৱ পা I  
 নি ব ম শ লৰ কৰ রেৰ নৰ বিৰ লিৰ নি

I পা দা | দা দণ্ডং -ৱ | পা -ৱ | -ৱ -ৱ -ৱ I  
 ক রে ন নৰৰ

I পা দা | দা -সা সা | সা সা | সর্ধাঁ -জর্ধাঁ র্ধর্সা I  
 ক র শে .

I ষৎসণাঁ ষৎসণাঁ | সণাঁ ণাঁ -দাঁ | ষদাঁ -ৱ | -পা -ৱ -ৱ I  
 কৰ রেৰ ন শ দ কা .

I মা মা | মা মা -ৱ | মা -পা | -গা -ৱ -ৱ I  
 ঠা রে ন ব দ কা .

I গপা ঘপা | গা গা -ঘা | সা - | - | - | - | - |  
 তাৰেৰ ন ষ ম কা . . . . ব

I { দাঁ দাঁ | না - | সা | সৰ্বাঃ সঃ | সা না সৰ্বাঃ I  
 প খ বা . জী জী . ব নে র .

I নর্মা -দাঁ | দাঁ না সা | সৰ্বাঃ -না | সা - | - | I  
 ছ ক খে হ খে খে ত . . পি .

I সা গী | গী গৰ্মা -গী | গৰ্মা গী | গৰ্মাঃ - | সৰ্বাঃ I  
 অ আ না উ . এ দেৰ খ গা . নেৰ .

I সৰ্মা দাঁ | না - | সা | সৰ্বাঃ -না | সা - | - } I  
 চ লে কা . স ত . . শী .

I না -সা | সৰ্বাঃ ঝঁসা সলা | গৰ্মাঃ -গঃ | গৰ্মা গুপা I  
 ক্ল ম তি . তাৰ মৰ মু . মৰ ক পি

I পা দা | দণ্ডঃ -দঃ দপা | পা -মা | -মা -পা -গা I  
 ক পি হে . . ন পা . . . . ব

I মা মা | মপা গা - | মা -দাঁ | -না -সা -ঘাঃ I  
 তা রে ন ষ ম কা . . . . ব

I সৰ্মা দাঁ | না সা -ঝঁসা | না - | -সা - | - } II II  
 তা রে ন য ম কা . . . . ব

আজি কোনু স্থরে বাঁধিব দিন-অবসান-বেলারে  
 দীর্ঘ ধূসর অবকাশে সঙ্গীজনবিহীন শৃঙ্খ ভবনে ।  
 সে কি মুক বিরহশৃতিগুঞ্জরণে তঙ্গাহারা ঝিল্লিবে ।  
 সে কি বিছেদরজনীর যাত্রী বিহঙ্গের পক্ষবন্ধনিতে ॥  
 সে কি অবগুষ্ঠিত প্রেমের কুষ্ঠিত বেদনায় সম্বৃত দীর্ঘস্থাসে ।  
 সে কি উদ্ভৃত অভিমানে উদ্ভৃত উপেক্ষায় গর্বিত মঞ্জীরঝক্কারে ॥

[পা - না না | ধা - ]  
 না না II না - । - পা পা | পা - । পা - পা - ঙ্গা । গা - মা গা - । - । - । - । I  
 আজি কো । ন স্থ রে । বা । ধি । ব . . . . .

I গা গপা পা পা | পা - । পা পা I পঙ্গা -ধা পা - । - । - ঙ্গা গা ঙ্গা I  
 দি ন . অ ব সা . ন রে লা . . রে . . . . আজি

I পা - । না না | ধা - । পা - ঙ্গা I গা - মা গা - । - । - । - । I  
 কো । ন স্থ রে । বা । ধি । ব . . . . .

I গা পা পা পা | পা পা পা পা I পঙ্গা -ধা পা - । - । - । - । I  
 দী র ষ ধু স র অ ব কা . . শে . . . . .

I পঙ্গা -ধা ধা ধা | ধা ধা ধা ধা I ধা - পা - না না | না না ধা - পা II  
 স . ত গী জ ন বি হী ন শু . . ত ত বনে .

পা পা II { পা - গা গা গা | পা ঙ্গা ধা পা I ধা - র্দা র্দা র্দা | র্দা - । র্দা - । I  
 সে কি মু . ক বি র হ ব তি ও ন . অ ব র শে . ত ন .

I র্দা - । র্দা | র্দা - । র্দা - না I ধা - না - র্দা র্দা | ধপা - (পা পা) } I না র্দা I  
 জা . . হা বা . ধি ল . লি . . র বে . . সে কি সে কি

I গী -। গী গী । রী রী সী সী I সনা -রী সী সী । মা -। মা মা I  
বি চে হ র জ বী র যা । জী বি হ উগে র

I থা -। থা -। পা জ্ঞা গা -জ্ঞা I [ ] I  
প । ক । খ নি তে ।

[সা-রা-গা]  
-। -। II { গা পা পা পা । পা -। পা পা I জ্ঞা -থা পা পা । পা -। জ্ঞা গা I  
। . . সে কি অ ব . . উ ণ টি ত প্রে । বে র হ ণ টি ত

I গা -জ্ঞা পা -জ্ঞা । গা -। -। -। গা -থা পা পা । গা -। গা -রী I  
বে । দ । ম । না । . . ম । স ম হ ত দী হ দ ।

I গা রা সা -। -। -। (-। -।) } I সী সী I সৰ্গী -। গী গী । র্গী গী রী -।  
খা । সে । . . . . সে কি উ । দ ধ ত অ ভি শা ।

I সী -। -। -। মা -। রী রী I সী -। সী -। মা -। থা -।  
মে । . . উ । ত ত উ । পে । ক । . . ম

I থা -। সী সী । মা -। মা নধা I থা -। থা -। পা -জ্ঞা গা জ্ঞা II [ ] II  
প ব বি ত ম ব জী র । ব উ ক । বে । “আ জি”

আপনহারা মাতোয়ারা। আহি তোমার আশা ধরে—  
 ওগো সাকৌ, দেবে না কি পেয়ালা মোর ভ'রে ভ'রে।  
 রসের ধারা সুধায় ছাকা, ঘৃণাভির আভাস মাখা,  
 বাতাস বেয়ে সুবাস তারি দূরের থেকে মাতায় মোরে।  
 মুখ তুলে চাও ওগো প্রিয়ে— তোমার হাতের প্রসাদ দিয়ে  
 এক রজনীর মতো এবার দাও-না আমায় অমর ক'রে।  
 নন্দননিকুঞ্জশাখে অনেক কুমুম ফুট ধাকে—  
 এমন মোহন ক্লপ দেখি নাই, গন্ধ এমন কোর্ধ্বায় ওরে।

[ র্জা -ৰা | ৰা -সা সা -গা I গা -দা ]  
 II মা -গা | মা -গা পা -দা I দা -না | দা -পা পা -না I মা -পা |  
 শা • প ব হা • হা • মা • মা • তো • মা •

| -দা -পা -মা -পা I গমা -গা | গা -না পা -না I গা -পা | ষপা -গা গা -না I  
 • • • • হা • শা • ছি • তো • মা ব শা •

I গা -ৰা | আ-না সা -না I সা -বা | সা -মা মা -না I মা -না | না -না -না -না I  
 শা • থ • রে • ও • গো • সা • কী • • • •

I মা -গা | মা -গা মা -গা I মা -দা | না -না দা -না I পা -দা |  
 দে • বে • না • কি • • • পে • মা •

| -গা -সা -ৰা -জ্ঞা I র্জা -ৰা | ৰা -সা সা -গা I গা -দা | দা -পা পা -মগা II  
 • • • • শা • মো ব ভ' • . রে • ভ' • রে •

II { মা -দা | দা -না দা -পা I পা -সা | না -না -না I সা -না | সা -না সা -গা I  
 শ • লে ব শা • শা • • • • শ • শা ব শা •

I সী-ন। ন-ন-ন-ন। র্দা-ন। র্দা-ন দা-ন। দা-র্দা। ন-ন-ন-ন।  
বা- • • • • ব- • প- • ম- • ডি- • • • ব-

I র্দা-ন। র্দা-ন র্দা-ন। সী-গ। -গ-জ্ঞা-ন-ন। র্দা-ন। সী-ন-ন-ন।  
বা- • তা-ব্র-বা- • খ- • • • • গো- • • • •

I সী-জ্ঞ। জ্ঞ-র্দা র্দা-ন। সী-ন। ন-ন-ন-ন। সী-র্দা। র্দা-ন গী-ন।  
বা- • তা-ব্র-বে- • বে- • • • • ব- • বা-ব্র-তা- •

I র্দা-ন। ন-ন-পা-ন। দা-ন। দা-ন দা-ন। দা-ন। ন-ন-ন-ন।  
বি- • • • • তু- • বে-ব থে- • কে- • • • •

I মা-দা। দা-ন দা-ন। পা-দা। -গ-সী-র্দা-জ্ঞ। [ ] I  
মা- • তা-ব্র-বো- • বে- • • • •

II {সা-গ। সা-দা দা-ন। পা-ন। -ন-ন-দা-ন। পা-গ। গা-দা দা-ন।  
ব-ব তু- • বে- • চ- • • • ও- • ও- • গো- • প্রি- •

I পা-দা। -মা-ন-ন-ন। পা-গ। গা-দা দা-পা। পা-ন। ন-ন-ন-ন।  
বে- • • • • তো- • মা-ব-বা- • তে- • • • • ব-

I পা-দা। দা-ন দা-ন। দা-সী। -ন-ন-গ-ন-ন। র্দা-ন। র্দা-দা দা-পা।  
অ- • সা-ব-বি- • বে- • • • • এক- ব- • অ- •

I মপা-জ্ঞ। জ্ঞ-ন জ্ঞ-ন। জ্ঞ-ন। জ্ঞ-ন জ্ঞ-ম। মা-ন। মা-জ্ঞ জ্ঞ-ন।  
বী-ব ব-ব-ব-ব- • এ- • বা-ব দা-ও না- • আ- • মা-ব-

I জ্ঞ-ন। জ্ঞ-জ্ঞ জ্ঞ-ন। সা-ন। -ন-ন-ন-ন। {দা-ন। দা-ন দা-ন।  
ব- • ব-ব ক- • বে- • • • • ন-ব দ- • ন-

I না -। | সা -ঝা সা -। I না -। | সা -না -। I পৰ্ণা -। | শ্বা -দা -। I  
• নি • হ ব জ • শা • ধে • • • দ্ব • মে ক হ •

I দা -ঝা | ঝা -সা -। I সা -। -সনা -জ্ঞা -। I ঝা -। -সা -না -। I  
হ ব হ • টে • খ • • কে • • • গো • • • •

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -ঝা ঝৰ্ণা -সা I সা -। -না -না -। I সা -ঝা | ঝৰ্ণা -ণা গা -দা I  
এ • ষ ব ঘো • হ • • • ব ক্ল প্ দে • ধি •  
..

I দা -। | -পা -ন -। I পা -। পা -দা -। I দা -। -ন -ন -। I  
না • • • • ই গ ব ধ • এ • ষ • • • ব

I মা -দা | দা -। দা -। I পা -দা | -পা -সা -ঝাঃ -জ্ঞা II [ ] II  
কো • থা ব ও • রে • • • •

ଆମାର ଯେତେ ସରେ ନା ମନ—  
 ତୋମାର ହୃଦୟର ପାରାୟେ ଆମି ଯାଇ ଯେ ହାରାୟେ  
 ଅତଳ ବିରହେ ନିମଗନ ॥  
 ଚଲିତେ ଚଲିତେ ପଥେ ସକଳଇ ଦେଖି ଯେନ ମିଛେ,  
 ନିଧିଳ ଭୂବନ ପିଛେ ଡାକେ ଅମୁକ୍ଷଣ ॥  
 ଆମାର ମନେ କେବଳଇ ବାଜେ  
 ତୋମାର କିଛୁ ଦେଓଯା ହଲ ନା ଯେ ।  
 • • ଯବେ ଚଲେ ଯାଇ ପଦେ ପଦେ ବାଧା ପାଇ,  
 ଫିରେ ଫିରେ ଆସି ଅକାରଣ ॥

ରା ରା II ସମ୍ଭା ସା ସା | ରା -ଏ-ସା I ରା -ପା -ମପାଥ | ଗମା ଜା ରା I  
 ଆ ଶାର୍ଦ୍ଦ ବେ ତେ ମ ରେ • • ନା • • • ମନ୍ଦ ଆ ଶାର୍ଦ୍ଦ  
 I ସମ୍ଭା ସା ସା | ରା -ଏ-ସା I ରା -ପା -ମପାଥ | ଗମା ଜା ମା I  
 ବେ ତେ ମ ରେ • • ନା • • • ମନ୍ଦ ତୋ ଶାର୍ଦ୍ଦ  
 I { ମା ପା -ଏ | ମପା -ଧା ଧା I ପା -ଏ -ଏ | -ଏ ପା ଧା I  
 ହ ଶା ର୍ଦ୍ଦ ପା • • ରା ରେ • • • ଆ ମି  
 I ଧା -ଏ ଏ | ଧା -ପା ଧା I ପା -ଏ -ଏ | (-ଧା ପା ମା) } I -ଏ -ଏ -ଏ I  
 ଯ ଇ ବେ ହା • ଶା ରେ • • • ତୋ ଶାର୍ଦ୍ଦ • • •  
 I ପା ଧା ଏ | ଏ ସା -ରୀ I ନା -ସା -ଏ | -ଏ -ଏ -ଧପା I  
 ଅ ତ ଲ ରି ର୍ଦ୍ଦ • ହେ • • • • • •  
 I ପଧା ମପା ମା | -ଏ ଜା ରା I ସମ୍ଭା ସା ସା | ରା -ଏ-ସା I  
 ନି ମି • ଗ ନ୍ଦ ଆ ଶାର୍ଦ୍ଦ ବେ ତେ ମ ରେ • •

I রা -পা -মপাথ | গ্মা -জা -ৱ I জা -গা -ৱ | -জা জা রা II  
না . . . ষ . ন . না . . . “আ শাহ”

গ্মা -জা -ৱ II গ্না না না | না না না I না স্বা -ৱ | না স্বা শপা I  
ষ . ন . চ লি তে চ লি তে প ষে . স ক লি

I পা না না | স্বা র্বা -র্বগ্না I না -স্বা -ৱ | -ৱ -ৱ -ৱ I  
ষে ষি ষে ন ষি . . . ছে . . . . .

I স্বা র্বস্বা -র্বস্বা | স্বা স্বগ্না গা I ধস্বা স্বা -গা | ধা ধা -গা I  
নি ষি . ন . দ্ব . ব . ন লি . ছে . . . ডা কে .

I ধা পা -গা | ধা পা -ৱ I পধা মপা মা | -ৱ জা রা I  
ডা কে . ডা কে . ষ . ষ . ষ . ষ . ষ . ষ . ষ . ষ .

I সন্বা সা সা | রা -ৱ -সা I রা -পা -মপাথ | গ্মা -জা -ৱ I  
ষে . তে স ষে . . . না . . . . . ষ . ন .

I র্বা -র্বা -স্বা | -গা -ধা -পা I -মা -জা -ৱ | -ৱ -ৱ -শ্বণা II  
না .

যা জা রা II { রা জা জা | রা জা -ৱ I রা জা -ৱ | রা জা -ৱ I  
মনু ষা শাহ ষ লে কে ষ লি . ষ লে . তে ষ লে .

I জপা পা মা | জা রা জা I রা সা -ৱ | (সা সজা -ৱ) } ] -ৱ না না I  
কি . ষ ষেও ষ ল ষ ল ষ লে . . ষ লে . . . ষ লে . . . ষ ষে

I { না না -ৱ | দ্বা -পা -ৱ I -না -পা -ৱ | -না -স্বা -ৱ I  
চ লে . . ষা . . . . . . . . . . . . . . . . . .

I না সী -না | নর্মা সী -ণা I ধা ধা -ণা | (ধা -পা -ৰা I  
প দে • প • দে • ধা ধা • পা • •

I -ৰা -ৰা | -ৰা না) } I ধা -পা -ৰা I ধা গা -ৰা | ধা গা শ্রা I  
• • . ই ব বে . পা • ই কি বে • কি বে আ

I পা পধা মপা | পমা জ্ঞা রা I সন্মা সা সা | রা -ৰা -সা I  
সি অ • কা • রণ আ বাব বে • তে স রে • •  
..

I রা -পা -মপাম | মা -জ্ঞা -ৰা I রী -রী -সী | -ণা -ধা -পা I  
না • .. ব • ব না • • • •

I -মা -জ্ঞা -ৰা II II

ଶ୍ରୀଗୋ କିଶୋର, ଆଜି ତୋମାର ସ୍ଵାରେ ପରାନ ମମ ଜାଗେ ।

ନବୀନ କବେ କରିବେ ତାରେ ରଙ୍ଗିନ ତବ ରାଗେ ।

ଭାବନାଗୁଣି ବୀଧନଖୋଲା ରଚିଆ ଦିବେ ତୋମାର ଦୋଲା,

ଦୀଢ଼ିଯୋ ଆସି ହେ ଭାବେ-ଭୋଲା, ଆମାର ଆଖି-ଆଗେ ॥

ଦୋଲେର ନାଚେ ବୁଝି ଗୋ ଆଛ ଅମରାବତୀପୁରେ—

ବାଜାଓ ବେଣୁ ବୁକେର କାଛେ, ବାଜାଓ ବେଣୁ ଦୂରେ ।

ଶରମ ଭୟ ସକଳି ତ୍ୟଜେ ମାଧ୍ୟମୀ ତାଇ ଆସିଲ ସେଜେ—

ଶୁଧୀଯ ଶୁଧୁ, ‘ବାଜାଯ କେ ଯେ ମଧୁର ମଧୁମୁରେ !’

ଗଗନେ ଶୁଣି ଏକି ଏ କଥା, କାନନେ କୌ ଯେ ଦେଖି ।

ଏକି ମିଳନଚକ୍ଷଳତା, ବିରହବ୍ୟଥା ଏକି ।

ଝାଚଳ କ୍ଷାପେ ଧରାର ବୁକେ, କୌ ଜାନି ତାହା ମୁଖେ ନା ହୁଅ—

ଧରିତେ ଘାରେ ନା ପାରେ ତାରେ ସ୍ଵପନେ ଦେଖିଛେ କି ।

ଜାଗିଲ ଦୋଲ ଜଲେ ଛଲେ, ଜାଗିଲ ଦୋଲ ବନେ ବନେ—  
ମୋହାଗିନିର ହଦ୍ୟତଳେ ବିରହିଗୀର ମନେ ମନେ ।

ମଧୁର ମୋରେ ବିଧୁର କରେ ମୁଦୁର ତାର ବେଣୁର ସ୍ଵରେ,

ନିଖିଲ ହିଯା କିମେର ତରେ ହୁଲିଛେ ଅକାରଣେ ।

ଆନୋ ଗୋ ଆନୋ ଭରିଆ ଡାଲି କରବୀମାଲା ଲାଯେ,

ଆନୋ ଗୋ ଆନୋ ସାଜାୟେ ଧାଲି କୋମଳ କିଶଳଯେ ।

ଏସୋ ଗୋ ପୀତ ବମନେ ସାଜି, କୋଲେତେ ବୀଣା ଉଠିକ ବାଜି,

ଧ୍ୟାନେତେ ଆର ଗାନେତେ ଆଜି ଯାମିନୀ ଯାକ ବୟେ ।

ଏସୋ ଗୋ ଏସୋ ଦୋଲବିଲାସୀ ବାଣୀତେ ମୋର ଦୋଲୋ,

ଛୁନ୍ଦେ ମୋର ଚକିତେ ଆସି ମାତିଯେ ତାରେ ତୋଲୋ ।

ଅନେକ ଦିନ ବୁକେର କାଛେ ରମେର ଶ୍ରୋତ ଥରକି ଆଛେ,

ମାଟିବେ ଆଜି ତୋମାର ନାଚେ ସମୟ ତାରି ହଲ ॥

ମଧ୍ୟ ଲୟ

ପା -ଥ | ପା -ର୍ସା II { ମର୍ମା ମନା ଥା | ପଥା -ଥ | ପା -ଥପା I ମା ମା ମା | ଗା -ମା | ରା -ଗା I  
ଓ . ଗୋ . କି ଶୋ ଇ ଆ . ଜି .. ତୋ ଯା ଇ ଆ . ରେ .

I ମା ଗା ଗା | ମା -ଏ | ପା -ଥପା I ମଗା ମା -ଏ | (ପା -ଥ | ପା -ର୍ସା) } I -ଏ | -ଏ I  
ପଥା ମ ଥ . ଯ .. ଆ ଗେ . ଓ . ଗୋ . . . .

I { ମା ମପା ପା | ପା -ଏ | ପା -ଥ I ପା ଥା ଗା | ପଥା: -ପଃ | (ମଗା -ର୍ଗା) } I ପା -ଏ I  
ନ ବୀ ନ କ . ବେ . କ ରି ବେ ତା . ରେ . . ରେ .

I ପା ପଥା ଖା | ମା: -ଗଃ | ଗା -ର୍ଗା I ଗା ମା -ପ | ପା -ଥ | ପା -ର୍ସା II  
ମ ଡି . ନ ତ . ବ . ରା ଗେ . “ଓ . ଗୋ .”

-ଏ | -ଏ II ମା ମପା ପା | ପା -ଏ | ପା -ଏ I ପା ପଥା ଥା | ଥା -ଏ | ଥା -ଏ I  
. . . ଭା ବ . ନା ଓ . ଲି . ଥା ଥ . ନ ଥୋ . ଲା .

I ଥା ଧନା ଗା | ଗା -ଏ | ଗା -ଏ I ଗା ଶର୍ମା ର୍ମା | ର୍ମା: -ନଃ | ଶର୍ମା -ନା I  
ମ ଚି . ହା ଦି . ବେ . ତୋ ଯା . . ର ଦୋ . ଲା .

I ନା -ଏ ନା | ନା -ଏ | ନା -ଏ I ନର୍ମା -ଏ -ପା | -ଏ -ଏ | -ଏ -ନା I  
ନା . ଡି ମୋ . ଆ . ସି . . . . .

I ନା -ଏ ନା | ନା -ଏ | ନା -ଏ I ନର୍ମା -ଏ -ଏ | -ପା -ଏ | -ଏ -ଥା I  
ହେ . ଭା ବେ . ତୋ . ଲା . . . . .

I ଗା ଶର୍ମା ଶର୍ମା | ଶର୍ମା -ଗା | ଗା -ଥା I ପଥା ପା -ଏ | ପା -ଥ | ପା -ର୍ସା II  
ଆ ମା . ର . ଆ . ଧି . ଆ ଗେ . “ଓ . ଗୋ .”

-ଏ | -ଏ II ସା ମପା ପା | ପା -ଏ | ପା -ଥ I ମପା ମା ମା | ଶଜା -ରା | ଲା -ନା I  
. . . ଲୋ ଲୋ ଇ ନା . ଚେ . ବୁ . ରି ଗୋ ଆ . ଛ .

I সা সগা পা | পা -। | পা -ধা | মপঃমঃ মা -জ্ঞা | -। -। | -। -মা |  
 শ বৰ মা ব . তী . পুৰূ রে . . .

I মা পা -। | -পা -মা | -জ্ঞা -মা | মা পা -। | পা -। | পা -ধা |

বা জ্ঞা . . . . ও বা জ্ঞা ও বে . পু .

I মা পা -। | -। -। | -। -। | পণা গা -। | গা -ধা | গা -। |

বা জ্ঞা . . . . ও বা জ্ঞা ও বে . পু .

I গর্মা গা গা | | পধা -প | পা -ধা | মা পা -। | -পা -মা | -জ্ঞা -মা |

পু কে র কা . ছে . বা জ্ঞা . . . . ও

I মা পা -। | পা -। | পা -ধা | মপঃমঃ মা -জ্ঞা | -। -। | -। -। |

বা জ্ঞা ও বে . পু . পুৰূ রে . . . .

I { পা পা পমা | পমা -জ্ঞা | জ্ঞা -মা | পা না না | না -সা | সা -। |

শ বৰ মৰ ত : য . স ক লি ত্তে . জ্ঞে .

I সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | র্ণা -জ্ঞা | -সা -র্ণা | না না না | না -সা | সা (-পা) } | -। |

শাং ধ যী তা . . ই আ সি ল সে . জ্ঞে .

I সর্ণা র্ণা -ণা | ণা -ধা | ণা -ধ | ধর্মা র্ণা -। | পধাঃ -পঃ | পা -জ্ঞা |

শৰ ধা য শ শ . পু . বা জ্ঞা য কে . যে .

I পা -ধা | ধা -ণা | -। -। | পধা র্ণা ণা | পধা -প | পা -ধা |

বা . . জ্ঞা . . য . য শ শ পু . র য . শ .

I মপঃমঃ মা -জ্ঞা | -। -। | -। -। | সমা মা মা | মা -। | মা -। |

পুৰূ রে . . . . গো গ লে শ . নি .

I মা পা পথা | মপা-মা | মা-জ্জা | মা মণি গধা | ধা-না | ধণি ধণা I  
এ কি এৰ কৰো থাৰো কা নে নেৰো কীৰো বেৰো

I ধপা পর্মা-না | -গা-না | -ধা-না | মা না না | মা-না | সা-না I  
দে ধিৰো নো নো নো নো এ কি বি লো নো নো

I না-না সৰু | বৰ্মা-গা | গণি-ধা | ধা খণ্ডণা পা | পা-মা | মজ্জা-মা I  
চৰু চৰু লো তাৰো বি বৰুৰু হৰু ব্যৰু ধৰুৰু

I পা পর্মা-না | -গা-না | -ধা-না | {ধা ধা ধা | ধা-না | ধা-না I  
এ কিৰো নো নো নো নো আচল কীৰো পেৰো

I মা না না | সৰু-সৰুনা | সা-না | শৰ্মা শৰ্মা গৰ্মা | গৰ্মা-জ্জা | সা-শৰ্মা I  
ধৰা রু বুৰু কেৰো কীৰু আ নিৰু তাৰু হারু

I না সা সৰু | বৰ্মাঃ-গঃ | গণি-ধা } | ধা খণ্ডণা পা | পা-মা | মা-না I  
হৰ ধে না হৰু ধেৰু ধ বিৰুৰু তে গৱু রেৰু

I মা-পা-ধা | মপা-মা | মজ্জা-সা | সা সৰণি গধা | ধণি-ধণা | পা-না I  
নাৰো পাৰো জাৰো রেৰো ধৰো তেৰো ধাৰো রেৰো

I মা পা পথা | মপা-মা | মা-জ্জা | মা মণি গধা | ধা-না | ধণি-ধণা I  
না পা রেৰো জাৰো রেৰো ধৰো নেৰো দেৰো ধিৰো

I পা পর্মা-না | -গা-না | -ধা-না I  
হে কিৰো নো নো নো নো

#### ক্রতৃত লয়

I { সা সা সা | রা-না | -পা-না | মা-না | জ্জা-রা | মজ্জা-না I  
লা পি লো লো নো নো নো জ্জা লো নো হৰু লো

I रा श्वा सा | रा -१ | -जा -१ I रा सा -रा | ना -१ | सा -१} I  
आ गि ल दो • • ल ब ने • ब • ने •

I मा मपा पा | पा -१ | ख्पा -मा I पा धा गा | गा -धा | ख्गा -धा I  
सो हा • गि नी • ल • छ ल र त • ले •

I पा पधा ख्पा | ग्मा -गा | गा -१ I गा गा -मा | मा -१ | ग्मा -पद्मा५ I  
बि र • हि गी • ल • ब ने • य • ने • ..

I ख्पा मज्जा रसा | रा -१ | -पा -१ I मा मा -ज्जा | ज्जा -रा | मज्जा -१५ I  
ला गि • ल • दो • • ल अ ले • अ • ले • ..

I रा श्वा सा | रा -१ | -जा -१ I रा सा -रा | ना -१ | सा -१ I  
आ गि ल दो • • ल ब ने • ब • ने •

I पा पा पमा४ | ग्मा -ज्जा४ | ज्जा -मा४ I पा ना ना४ | ना -१५ | सा सना४ I  
य थु र • सो • ये • बि थु र क • ये रु •

I सा -१ -ज्जा४ | र्णा -१ | ज्जा -१४ I रा र्णा ज्जा४ | र्णा -१ | ज्जा -१४ I  
दु • • र • का र बे थु र य • ये •

I ज्जर्णा र्णर्णा ज्जा४ | र्णाः -सः४ | सा -१४ I सना नर्णा र्णसा४ | सा -१४ | गा -१४ I  
नि४ थि४ ल हि४ गा४ किसे४ र • त • ये •

I श्वा धर्मा ख्गा४ | गा -धा४ | पा -ध्पा४ I श्वा पा -१४ | -१ -१४ | -१ -१४ I  
हु४ लि४ हे अ • का • • र णे४ • • • •

I पा पधा ख्पा४ | मा -४ | गा -१४ | गा गा ग्मा४ | गा -१४ | मा -१४ I  
नि थि४ ल हि४ गा४ कि से र त • ये •

I मा यपा मा | जा -रा | सा -रजा I रा सा -१ | -१ -१ | -१ -१ I  
 ह लि हे अ • का .. र शे • . . .

I यज्ञा जा जा | रा -१ | जा -१ I रा रा जा | रा -१ | जा -१ I  
 आ नो गो आ • नो • उ रि शा जा • लि •

I अरा रमा यज्ञा | रा -सा | सा -रज्ञा I रा सा -१ | -१ -१ | -१ -१ I  
 ब • र • वी या • सा .. ल रे • . . .

I यगा गा गा | गा -१ | यगा -सा I सा गा गा | मा -१ | पा -धा I  
 आ नो गो आ • नो • सा आ रे था • लि •

I मा मपा पमा | यज्ञा -रा | सा -रज्ञा I रा सा -१ | -१ -१ | -१ -१ I  
 को य • ल कि • श .. ल रे • . . .

I { मा पा पा | पा -गा | गा -धा I धा धा धपा | पा -१ | पा -१ I  
 ए सो गो पी • त • व स ने • सा • दि •

I पा धा गा | गा -र्सा | सा -१ I र्सा र्षा गा | र्षा -ग | पा (-धा) } I -१ I  
 को ले ते वी • गा • उ • हु क वा • दि • .

I पा पधा पा | मा -१ | -पा -१ I सा पा गा | मा -१ | पा -धा I  
 था ने • ते आ • र्ष गा ने ते आ • दि •

I मा मपा पमा | जा -रा | -मज्ञा -रज्ञा I श्रा सा -१ | -१ -१ | -१ -१ I  
 श रि • नी धा • .. • क व रे • . . .

I मा पा पा | पा -रा | ना -१ I ना -१ सा | ना -१ | सा -पा I  
 ए सो गो ए • लो • लो ल वि शा • सौ •

I পা না না | সা -। | -ৰা I না সা-পা | না -। | সা -ৰা I  
 বা শী তে শো • • ব্ দো শো • দো • শো •

I না সা -। | -। -। | -। -। I গা -। গা | গা -। | -। -। I  
 দো শো • • • • ছ ন্ দে শো • • ব্

I সা গা গা | মা -। | পা-ধা I মা পা মা | জ্ঞা-রা | সা-মজ্ঞা I  
 চ কি তে আ • সি • মা তি দে তা • দে •

I রা সা -। | -। -। | -ৰা-ন্মা I সা -। -রা | জ্ঞা-রা | -মজ্ঞা-রা I  
 ত্তে শো • • • • মা • • তি • •

I সা -। -। | -। -। | -। -। I মা পা পা | পা -। | -না -। I  
 দে • • • • অ নে ক দি • • ন্

I না না সা | না -। | সা-জ্ঞা I রা রা জ্ঞা | রা -। | জ্ঞা -। I  
 বু কে র কা • ছে • র দে র শো • ত

I রা রা জ্ঞা | রা -। | জ্ঞা -। I জ্ঞরা র্মা জ্ঞা | র্মা -। | সা -। I  
 থ ম কি আ • ছে • না • চি • বে আ • জি •

I সনা র্মা সা | সা-গা | গা -। I গধা ধৰ্মা গণা | ধা-পা | পা-ধগা I  
 ত্তে • মা • র না • চে • স • ব • য তা • বি •

I ধা পা -। | পা-ধা | পা-সা II II  
 হ ল • “ও • গো •”

ওগো পড়োশিনি,  
 শুনি বনপথে স্তুর মেলে যাই তব কিঙ্গী ॥  
 ক্লান্তকৃজন দিনশেষে, আত্মাখে,  
 আকাশে বাজে তব বীরব রিমিনি ॥  
 এই নিকটে ধাকা  
 অতিদূর আবরণে রয়েছে ঢাকা ।  
 যেমন দূরে বাণী আপনহারা গানের স্তুরে,  
 মাধুরীরহস্যমায়ার চেনা তোমারে না চিনি ॥

II সা -। | গা -। I -পা -। | ধা না I শ্বা -সনা | ধপা -। I  
 ষ . গো . . . . প জ্বো শি . . নি . .

I পা সা | না ধা I পা -ক্ষা | পা -। I পক্ষা -সা | না ধা I  
 ষ নি ব ন প . ধে . স্তু . ব মে লে

I পথপা -ক্ষপা | মা গা I সা -। | রা -। I গা -। | -মা -পা II  
 ষ্যা . . স্তু ত ব কি ত কি . গী . . . .

II পা -ক্ষা | ধা পা I না ধা | না না I শ্বসা -না | সা -না I  
 ক্ষা ন ত ক্ষ জ ন দি ন শে . . মে . .

I শ্বা -ধা | না না I সা -। | -। -। I সা গী | গী গৰ্মা I  
 ষ্বা . ব শা . ধে . . . . আ কা শে বা .

I শ্বৰ্গা -র্গা | র্গৰ্মা সা I শ্বৰ্গাঃ -র্গাঃ | র্গা সা I সা সা | রা -। I  
 ষ্বে . ত . ব নী . . র্গ ব র্গ নি র্গ .

I গা -। | -মা -পা II  
নি . . .

II -। -। | সা -। | {সা সা | মা গা | পা -। | -। -।  
• • এ ই নি ক টে ধা বা • • •

I ধা না | সা -র্গা | গা র্গা | সা না | ধা পঙ্কা | পধা খ্পা |  
অতি দু র শা ব র ষে র ষে হে জ

I পা -মা | (সা -।) | -। -। | পা -ঙ্কা | ধা পা | না -। | -ধা -না |  
কা • এ ই • • ষে • য ন দু • •

I শ্র্সা -। | -। -না | ধনা -ধা | শ্র্সা -না | ধা না | সা না |  
ষে • • • বা • গী • • আ গ ন হা

I ধপা -। | পঙ্কা -না | না ধা | পঙ্কা -ধা | খ্পা -মা | -। -। |  
ঘা • গা • নে য স্ব • • ষে • •

I শ্র্গা গা | গা গা | গা -। | গা গা | র্গা -। | -র্গা -। |  
শা • দু ষৈ য হ • ষ ষ ঘা • • দু

I গা গা | র্গা র্গা | সা -না | শ্র্সা -। | সা -। | গা -। |  
চে না তো ঘা • ষে • না • চি • নি •

I -মা -। | -পা -। III II

ওরে জাগায়ো মা, ও যে বিরাম মাগে নির্মম ভাগ্যের পায়ে ।

ও যে সব চাওয়া দিতে চাহে অতলে জলাঞ্জলি ॥

হৃষাশার ছঃসহ ভার দিক নামায়ে,

যাক ভূলে অকিঞ্চন জীবনের বঞ্চনা ॥

আশুক নিবিড় নিজ্জা,

তামসী তুলিকায় অতীতের বিজ্ঞপবাণী দিক মুছায়ে

শ্বরণের পত্র হতে ।

স্তৰ্ক হোক বেদনগুঞ্জন

স্মৃতি বিহঙ্গের নৌড়ের মতো—

আনো তমস্ত্বিনী,

আন্ত ছঃখের মৌনতিমিরে শান্তির দান ॥

সা সা II মা মা রা -। | সা -। সা সা I সা সমা মা রা | সা -। -। -। I  
ও যে জা গা ঝো -। না -। ও যে বি রাং ম মা গে -। . .

I সা -। মা মা | রা -। সা সা | মা -। মা -। | -। -। সা সা I  
নি ব্ৰ ম ম ভা গ্ গে ম পা -। যে -। . . . ও যে

I সা -গা গা -। | রা -। সা -না | খনা -। সা -না | ধা -পা পা -ক্ষা I  
স ব্ চ চ ও ঝা -। দি -। তে -। চা -। হে -। দ -।

I পা -না না -ধা | ধা -পা পক্ষা -ধা I খপা -। পা -মা | -। -। -। -।  
ত -। লে -। জ -। লা -ন -জ -। লি -। . . .

I পা সা -। -ক্ষা | পা -ধা -। -ক্ষা I খপা -মা -। -। -। মা I  
না -। . . . না -। . . . না -। . . . . ও রে

I মা মা মা -গা | গা -পা -ন -। {পা -ক্ষা ধা -পা | না -ন -র্সা -।  
 জা গা ঘো . না . . . ছ . হা . শা . . . র  
  
 I সা -ন -র্সা না | সা -ন -ন -। স্বর্মা -ন -সা -না | খনা -ন -ধা -।  
 হঃ . স হ ভা . . . র দি ক না . শা . . .  
  
 I ধা -সা -ন -। ন -ন -ন -। সর্গান -গী -ন | গী -ন -র্সা -।  
 ঘে . . . . . . দি . ক না : শা . . .  
  
 I গী -গী -ন -গী | -সা -ন -ন -। } সা -গী গী -র্সা | র্সা -সা -ন -।  
 ঘে . . . . . . যা ক ত্ত . লে . . .  
  
 I সা -না সা -গী | গী -র্সা র্সা -সা | সা -না -র্সা | সা -না -না |  
 প . কি দ চ . ন . জী . . ব . নে . র .  
  
 I ধা -সা -ন না | ধা -পা -ন -ক্ষা | পা -সা -ন -ক্ষা | পা -ধা -ন -ক্ষা |  
 র . দ চ না . . . . না . . . . না . . .  
  
 I খপা -মা -ন -। ন -ন মা মা | মা -মা মা -গা | গা -পা -ন -।  
 না . . . . . ও ঘে জা গা ঘো . না . . .  
  
 I {সা -মা মা মা | মা -ন মা মা | মা -ন মা -। | -ন -ন -ন -।  
 জা . হ ক নি . বি ক নি . জা . . . .  
  
 I সা -মা মা মা | মা -ন মা -গা | গা -পা -ন -। | -ন -ন -ন -।  
 তা . ব সী ত্ত . লি . কা . . . . . . র  
  
 I ধা না সা না | ধা -না সা না | খনা -ন ধপা -ক্ষা | পা -সা না -ধা |  
 প জী তে র বি . ক গ বা . শী . . দি ক মু .

I ধা-পা-পা-। আ-পা-ধা-পা-। পা-ক্ষা-ধা-পা-। পা-মা-।-।} I  
ছা-। রে-। অ-র-বে-ৰ-প-ঁ-জ-হ-তে-।।।

I {পা-ক্ষা-ধা-পা-। না-।-ধা-ন্দা-। স্ব-। গুৰু-স্ব-। স্ব-। স্ব-স্ব-।  
ত্ব-ব-ধ-। হো-।।। ক্ষ-বে-। ম-ন-গু-ন-জ-ন-।।।

[ -1 ]

I স্ব-গী-গী-গুৰু-। গুৰু-স্ব-স্ব-না-। ধনা-। স্ব-না-। ধনা-। ধপা-ক্ষা-। I  
হৃ-প-ত-বি-। হ-ড-পে-ব-নী-। তে-ব-ম-তে-।।।

I স্ব-গী-গী-। গী-। গী-পী-। গী-রী-রী-স্ব-। ন-।-।-।-। I  
আ-। মো-। ত-। ম-। বি-। নী-।।।

I স্ব-।-গী-গুৰু-। রু-। স্ব-স্ব-। স্ব-না-রী-স্ব-। স্ব-স্ব-না-। I  
ধা-। ন-ত-। হ-ক-বে-ৰ-বো-। উ-ন-তি-বি-বে-।।।

I ধা-না-স্ব-শ্ব-। ধপা-।-।-ক্ষা-। পা-স্ব-।-।-ক্ষা-। পা-ধা-।-।-ক্ষা-। I  
শা-ন-তি-ব-ন-।।। ন-ন-ন-।।।

I ধপা-মা-।-।-।-।-। মা-মা-মা-গ-। গ-পা-।-।-। II II  
ন-।।। ন-।।। ও-বে-জ-গ-বো-।।।

দৈবে তুমি কখন নেশায় পেয়ে  
 আপন মনে যাও তুমি গান গেয়ে ॥  
 যে আকাশে সুরের লেখা লেখে।  
 তার পানে রই চেয়ে চেয়ে ॥  
 হৃদয় আমার অদ্যগ্নে যায় চলে, চেনা দিনের ঠিক-ঠিকানা ভোলে,  
 মৌমাছিরা আপনা হারায় যেন গজের পথ বেয়ে বেয়ে ॥  
 গানের টানা জালে  
 নিমেষ-ঘৰা গহন থেকে তোলে অসীমকালে।  
 মাটির আড়াল করি ভেদন সুরলোকের আনে বেদন,  
 মর্তলোকের বীণার তারে রাগিণী দেয় হেয়ে ॥

[গা -১ গা | -জা]

II গা -পা মা | -জা জা জা I গা জা -১ | গা জা -১ I গা সা -১ | -১ -১ -১ I  
 দৈ • বে • তু মি ক খ ন নে শা ষ্ট পে যে • . . .

I মা পা -১ | পা পধা -ণা I ষধা -পা -১ | -১ -১ -১ I গা -মা -পা | -ধা -ণা -ৰ্ণা I  
 শা প ম ম মে • যা • . . . ষ ষা • . . . . . .

I -ণা<sup>১</sup> -ৰ্ণা -ণা | ধা ণা -১ I ধা -১ -ণা | ধা পা -মা I পর্ণা মা -জা | -১ -১ -১ I [ ] I  
 . . . ষ তু মি • গা • ম পে যে • পে রে • . . .

II মা মা -পা | পা পা -১ I পা পা -১ | পা পা -১ I পা পা -১ | -১ -১ -ণা I  
 বে শা • বী শে • ক্ষ যে ম লে খ • লে শে • . . .

I ণা -১ ণা | ধা ণা -১ I ধা ণা -১ | ধা ণা -১ I ষধা -পা -১ | -১ -১ -১ I  
 তা ষ পা নে ষ ই চে ষে • চে যে • যা • . . . ষ

I গা-মা-পা | -ধা-ণা-স্বাই-গাঙ-স্বাণা | ধা-ণা-।।। ধা-ণা-গা | ধা-পা-মা |  
বা . . . . . তু দি . গা . ব্ গে যে .

I পর্সা মা-জা | -।।।-।।।[]।।  
গে-যে . . . .

II { মা-পা-।।। না-।।। না-।।। | -।।।-পা-।।। পা-না-।।। স্বা-সর্বাশ-সর্বাশঃ |  
হ ব ব আ . . . মা . . . . ব ব দৃ . তে বা . . . ব

I না-স্বা-।।। -।।।-।।। সর্বাশ-সর্বাশ | ধা-ণা-।।। ধা-ণা-।।। ধা-পধা-ণা |  
চলে . . . . চে-না-।।। দি-নে-ব টি-ক টি-কা-না-।।।

I ধা-পা-।।। -।।।-।।। } মা-।।। পা | পধা-ণা-ধা | পা-।।।-।।। পা-।।।-।।। | -।।।-।।। I  
ত্বে-লে . . . . ম . উ মা-।।। ছি-বা . . . .

I মা-।।।-পা | পধা-ণা-ধা | পা-।।।-।।। | পা-ধা-।।। গাঙ-স্বাণা | ধা-ণা-।।।  
বা . এ মা-।।। হ মা-।।। ব্ যে-ন . প ব্ ধে বণ ব্

I ধা-ণা-।।। | ধা-পা-।।। মা-পা-মা | -জা-।।।-।।। জা-মা-পা | -ধা-ণা-স্বাই |  
বে-যে . বে-যে . ম . . . . ও ধা . . . .

I -গাঙ-স্বাণা | ধা-ণা-।।। ধা-।।।-ণা | ধা-পা-মা | পর্সা মা-জা | -।।।-।।।-।।।[]।।  
. . . ও তু দি . গা . ব্ গে-যে . গে-যে . . . .

II { মা-পা-।।। | পা-পধা-ণা | ধা-পা-।।। | -।।।-।।। পণা-ণা-।।। | ধা-ণা-।।।  
গা-নে-ব টা-না-।।। জা-লে . . . . নি-বে-ব বে-বা .

I ধা-ণা-।।। | ধা-ণা-।।। সর্বাশ-সর্বাশ | ধা-পধা-ণা | ধা-পা-।।। | -।।।-।।।-।।। } I  
গ হ ব ব ধে-কে . ত্বে-লে . . প সৌ-ব কা-লে . . . .

I মা-পা-ন। পা-না-ন। না-ন-ন। -ন-পা-ন। পা-না-ন। না-সা-র্সন।  
মাটি বুকা ০ ০ ডা ০ ০ ০ ০ লক্ষি ০ তে ০ ০ ০

I সা-ন-ন। ন-ন-ন। সা-সা-ন। ধা-ন-ন। শণ-ন-ন। ধা-ণা-ধপা।  
ন ০ ০ ০ ০ ০ লক্ষণ ০ লো ০ ০ কে ০ বুকা ০ ০

I পা-ধণা-ধধা। পা-ন-ন। মা-ন পা। পধা-ণা-ধধা। পা-ন-ন। -ন-ণ-ণ।  
বে ০ ০ ০ ন ০ লক্ষত লো ০ ০ কে ০ ০ ০ ০ বু

I গধা-শণা-ধপা। পা-ধগধা-ধধা। পা-ন-ন। ন-ন। পর্সা সা-ণ। গধা-ণ-ন।  
বী-ণা-০ বুতা ০ ০ ০ রে ০ ০ ০ ০ ০ রা-গি-০ বী-ডে-বু

I ধা-পা-ন। -ন-ধ-ধ। মা-পা-মা। -জা-ন-ন। জা-মা-পা। -ধা-ণা-সা।  
ছে রে ০ ০ ০ ০ ধা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I -ণ-ধ-সা-ণ। ধা-ণ-ন। ধা-ন-ণ। ধা-পা-মা। পর্সা মা-জা। -ন-ন II [ ] II  
• ০ ০ ০ ০ ভুমি-ণা-০ ল-গে-রে-০ গে-০ রে-০ ০ ০ ০

ଅଶ୍ଵମରେ ପରମ ବେଦନାୟ ସୁଲ୍ମରେ ଆହୁନ ।  
 ଶୂରୁଶି କାଳୋ ମେଘର ଲଳାଟେ ପରାୟ ଇଶ୍ଵର,  
 ତାର ଲଜ୍ଜାକେ ସାଙ୍ଗନା ଦେବାର ତରେ ।  
 ମର୍ତ୍ତର ଅଭିଶାପେ ସର୍ଗେର କଳଣା ସଥନ ନାମେ  
 ତଥାନି ତୋ ସୁଲ୍ମରେ ଆବିର୍ଭାବ ।  
 ପ୍ରିୟେ, ସେଇ କଳଣା କି ତୋମାର ହୃଦୟକେ କାଳ ମଧୁର କରେ ନି ॥୧

II	ମା	ମା	-ପା		ପା	ପା	-ମା	I	ପା	ପା	ଧା		ନା	-ଏ	ର୍ମନା	I
	ଶ	ସ୍ତ୍ର	ନ୍ତ୍ର		ମେ	ମେ	ପ୍ର		ମେ	ମେ	ମେ		ବେ	•	ଦ୍ଵୀ	
I	ଧପା	-ଏ	-ଏ		-ପା	-ଧା	-ପଥମା	I	ମା	-ଏ	ପା		ପା	ପଥପା	-ମପା	I
	ନାୟ	•	•	•	•	•	ମୁଁ		ଶ	ଶ	ନ୍ତ୍ର		ମେହେ	ଶାୟ	•	•
I	ପମଗା	-ଏ	-ଏ		-ଏ	-ଏ	-ଏ	I	ପା	-ଏ	ଧା		ର୍ମା	-ଏ	ର୍ମର୍ମଃ	I
	ଶାୟ	•	•	•	•	ନ୍ତ୍ର	ଶ		ଶ	ଶ	ଶ		ର୍ମ	•	ଶି	•
I	ନା	ର୍ମା	-ଏ		ର୍ମନା	ନା	-ର୍ମା	I	ଧା	ନା	ର୍ମା		{ ଶା	ଧପା	-ଏ	I
	କା	ଶୋ	•	ମେହେ		ମେ	ଶ		ଶ	ଶ	ଶ		ଟେ	ପ	ଯାୟ	ଶୁ
I	ପା	-ଏ	ନା		ଧା	ନା	-ଏ	I	-ଏ	-ଏ	-ଏ		-ଏ	ଗା	-ମା	I
	ଇ	ନ୍ତ୍ର	ଶ		ଶ	ଶ	ଶ		•	•	•		ଟେ	ତ	ବୁ	
I	ମା	-ଏ	ପା		ପା	ପା	-ମା	I	ପା	ପା	-ଧା		ନା	ନା	-ର୍ମା	I
	ଲ	ଶ	ଶା		କେ	.ଶା	ନ୍ତ୍ର		ଶ	ଶ	ଶ		ମେ	ବା	ଶ	
I	ଶା	ଧପା	-ଏ		ଧା	ପମା	-ଏ	I	ପା	-ଏ	ନା		ଧା	ନା	-ଏ	I
	ତ	ମେ	•	ପ	ଯାୟ	•	ମୁଁ		ଶ	ଶ	ଶ		ର୍ମ	ଶ	ଶ	•

I - - - | - - - I না - গৰ্জা | জা জা জা I  
 . . . . . ম ব তে র অ ভ  
  
 I জৰা রী - | -রী -জা-সা I সা - রী | রী রী রঞ্জঃরঃ I  
 শা। পে . . . . ষ ব গে র ক ক০০

I সনা - - | না না - I না - -সা | সা - - I  
 গ। . . ষ থ ন ন . . যে . .

I পর্মা সা সা | সা না -সা I ধা না - | না পর্মা -না I  
 ত থ নি তে ষ ন ব যে ব আ বি ব

I ধপা (- -) } | - সা | সা সা -রা I রা - - | রা - -গমা I  
 ভ। . ষ য পি যে সে ই ক . . হ . .

I যগা - গা | গা গা -মা I রা গা - | মা পা - I  
 গ। . কি তে ষ ব ত ব য কে কা ল

I ম পা - | পথা পধপা -মপা I মগা - - | - সা - I  
 থ খ ব ক . ঘো . . নি . . . সে ই

I সা - -রা | রা - -গমা I যগা - - | - - - II II  
 ক . . হ . . . গ . . . .

শাপমৌচন মাটকের গত গান

বাহির হলেম আমি আপন ভিতর হতে,  
 নীল আকাশে পাড়ি দেব খ্যাপা হাওয়ার শ্রোতে ॥  
 আমের মুকুল ফুটে ফুটে যখন পড়ে ঝ'রে ঝ'রে  
 মাটির আচল ভ'রে ভ'রে —  
 করাই আমার মনের কথা ভরা ফাণুন-চোতে ॥  
 কোথা তুই প্রাণের দোসর বেড়াস ঘূরি ঘূরি —  
 বনবীধির আলোহায় করিস লুকোচুরি ।  
 আমার একলা বাণি পাগলামি তার পাঠায় দিগন্তে  
 তোমার গানের তরে —  
 কবে বসন্তেরে জাগিয়ে দেব আমাতে আর তোতে ॥

II পা -ৰা | রা -গা গা -ধা I ধা -পা | মা -ৰা গা -ৰা I  
 থা . হি ব হ . লে ম আ . রি .

I মা -ৰা | পা -ৰা পা -ৰা I ধা -পা | মা -ৰা গা -মা I  
 থা . ন ন ভি . ত ব হ . তে .

[না]  
 I { পা -না | না -ৰা না -ৰা I না -ৰা | ( -ৰা -ৰা -ৰা ) } I না -ৰা না -ৰা I  
 নৌ ল অ . কা . লে . . . . . পা . তি .

I না -ৰা | রা -ৰা -ৰা -ৰা I না -ৰা | রা -ৰা গা -ৰা I  
 মে . ব . . . . . থা . পা . হা .

I ধা -ৰা | পা -ৰা মা -ৰা II  
 থা ব লো . তে .

. II { মা -গা | মা -ণা ণা -ৰা I ধা -ৰা | ধা -ৰা না -ৰা I  
 না . মে হ্য হ্য . হু ল্য ল্য . টে .

I না -ৰা | সা -ৰা -ৰা -ৰা I সা -ৰা -ৰা | মা -ৰা গা -ৰা I  
 হ্য . টে . . . ব . ব . থ ল্য প .

I রা -ৰা | রা -ৰা সা -ৰা I না -ৰা | সা -ৰা -ৰা -ৰা I  
 কে . ব' . মে . ব' . ব' . মে . .

I না -ৰা | সা -ৰা সা -ৰা I সা -ৰা | সৰ্বা -ৰা -ৰা ণা -ধা I  
 মা . টি ব খা . চ ল্য ভ' . মে .

I পধা -পা | পা -ৰা -ৰা -ৰা I সা -ৰা | রা -ই রা -ৰা I  
 ভ' . মে . . . ব . ব . রা ই ল্য .

I গা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা I রা -ৰা | গা -ৰা গা -ৰা I  
 মা . . . . ব ব . মে ব ক .

I মা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা I পা -ধা | পা -সা সৰ্বা -ৰা I  
 ণা . . . . ভ . গা . কা .

I ণা -ধা | পধা -পা মপা -মা II  
 ন্য জে . তে . .

II সা -ৰা | রা -ৰা -ৰা I রা -ই আ -ৰা | গা -ৰা গা -ৰা I  
 কে . খা . হ্য ল্য এ . গে ব লো .

I মা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা I মা -ৰা | মা -পা পা -ৰা I  
 দ . . . . ব মে . ভ ল্য মু .

I ন -ী | ন -ী পা -ধা -ন I পা -ৰ | ন -ী ন -ধা -ণ I  
 . . . রি . . . শু . . . ব . . . ম . . .

I ধা -ৰ | ন -ী -ৰ -ৰ I ধা -ৰ | ধা -ৰ ধা -ৰ I  
 রি . . . . . ব . . . ম . . .

I ধা -না | না -ৰ সা -র্হা I না -ৰ | ন -ৰ সা -ৰ I  
 ধি ব আ . . লো . . ছা . . সা . . ব

I না -ৰ | সা -র্হা সা -ণ I পধা -পা | মা -ণ মা -ৰ I  
 ক . . রি ব শু . . কো . . চ . . রি .

I -ৰ | -ৰ -ৰ মা গা I মা -ৰ | মা -ণ ণ -ধা I  
 . . . . আ শাব এ ক লা . . র্হা .

I ধা -ৰ | -ৰ -ৰ -না I সা -র্হা | র্হা -ৰ গী -ৰ I  
 পি . . . . . পা গ লা . . র্হা .

I গী -র্হা | -র্হা -ৰ না -ৰ সা I না -ৰ | সা -ৰ না -ৰ I  
 তা . . . . . ব গা . . ঠা ব দি .

I সা -র্হা | না -ৰ সা -ৰ I সা -র্হা | র্হা -ৰ ণ -ধা I  
 গ ব ত . . রে . . তো . . মা ব গা .

I পধা -পা | মপা -মা মা -ণ I গা -ৰ | মা -ৰ পা -ৰ I  
 নে ব ত . . রে . . রে . . ক . . বে . . ব .

I মা -ৰ | গা -ৰ মা -ৰ I পা -ৰ | ধা -ৰ না -ৰ I  
 স ন তে . . রে . . জা . . পি . . মে .

I   না   -ৱ |   সা   -ৱ   -ৱ   -ৱ |   না   -ৱ |   সা   -ৱ   ণ   -ৱ   I  
দে   •   ব   •   •   •   শা   •   শা   •   তে   •

I   গধ   -পা |   মপা   -মা   গা   -মা II II  
আ   ব   তো   •   তে   •

১ ডাকঘর নটকের গান। রবীন্দ্রনাথ ১৩৪৬ বঙাদে ডাকঘর অভিযানের সূতন পরিবর্জনা করেন। এজন্ত কয়েকটি সূতন গান রচনা করেন। গীতবিভাগ, ভূতীর খণ্ড ( আধিন ১৩৫৭ বা পরবর্তী মুদ্রণ ) হইয়।

—

ব্যবিতান বাটতৰ খণ্ডে পনেরোটি গানের ঐশ্বেলজ্বারঞ্জন মঙ্গলমাস -কৃত  
সম্বলিপি সংকলিত হইল। ইহাৰ মধ্যে চৌদ্দটি গানেৱ সম্বলিপি ‘বিষ্ণুভারতী’  
পত্ৰিকাৰ বিভিন্ন সংখ্যাৰ ও একটি ‘সুবন্ধন’ পত্ৰিকাৰ প্ৰকাশিত হইয়াছিল।

৫-সংখ্যক গানেৱ পীতৰৌতি সম্পর্কে বিশেষ অবহিত হওয়া আবশ্যক।

এই গ্ৰন্থৰ অন্তৰ্ভুক্ত গানগুলিৰ বচনাকাল-প্ৰকাশকাল সম্পৰ্কে এ ঘাৰৰ  
সংগৃহীত তথ্য সন্নিবিষ্ট হইল। উল্লিখিত তথ্যগুলি সংগ্ৰহ ও সংকলন  
কৰিবাছেন শ্ৰীপ্ৰফুল্লকুমাৰ দাস।

ফাল্গুন ১৩৭৯

## ରଚନାକାଳ/ପ୍ରକାଶକାଳ

ଶବ୍ଦ	ରଚନା ତାରିଖ/ହାନ	ପ୍ରକାଶ ତାରିଖ-ଆପିହାନ	ଇଂଗ୍ଲିଜୀଆରଙ୍ଗନ ମହ୍ୟମାର୍ଗ -କ୍ରତ ବରଣିଗାଁ : ପ୍ରକାଶ
ଅମ୍ବଦରେ ପରମ ସେଦନାଯ			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୫-୬୧୩୭୪
ଆକାଶେ ଦୁଇ ହାତେ ପ୍ରେମ ବିଳାୟ			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୫-୬୧୩୭୨
ଆଜି କୋନ୍ ସ୍ଥରେ ବୀରିବ	୨୯ ଚୈତ୍ର ୧୩୪୬ ଉଦୟନ	ପାଞ୍ଜୁଲିପି ଶିତବିତାନ ୩ (ଆଖିନ ୧୩୫୧)	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧୦-୧୨୧୩୭୧
ଆପନହାରୀ ମାତୋହାରୀ	ଫାଲ୍ଗନ ୧୩୬୨	ଶିତବିତାନ ୩ (ଆଖିନ ୧୩୩୯)	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୫-୬୧୩୭୩
ଆମାର ସେତେ ସରେ ନା ମନ			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୨୧୩୭୭
ଓଗୋ କିଶୋର, ଆଜି ଡୋମାର	୨୮ ଫାଲ୍ଗନ ୧୩୬୩	ପାଞ୍ଜୁଲିପି	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୩୧୩୭୨
ଓଗୋ ପଢ୍ହୋଶିନି, ଶୁଣି ବନଗଥେ			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୫-୬୧୩୭୫
ଓରେ ଜାଗାଯୋ ନା			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୨୧୩୭୩
ତୁମି ଏ-ପାଇ ଓ-ପାଇ କର କେ	୧୯ ଆବଣ ୧୩୧୨	ପାଞ୍ଜୁଲିପି	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧୦-୧୨୧୩୭୩
ତୁମି ସେ ଆମାରେ ଚାଓ		କାବ୍ୟଶାହ୍ ୮ (୧୩୧୦୧)	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୨୧୩୭୧
ଡୋମାର ହାତେର ରାଜୀଖାନି			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୩୧୩୭୩
ହୃଦୟାତେ, ହେ ନାଥ	.	କାବ୍ୟଶାହ୍ ୮ (୧୩୧୦୧)	ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୧-୨୧୩୭୪
ଦୈନେ ତୁମି କଥନ ନେବାର ପେରେ			ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ପତ୍ରିକା : ୫-୬୧୩୭୬

গোন	ঠিকানা	প্রকাশ	শ্রীশেলজারফন মসজিদার -কৃত সরলিপি : প্রকাশ
বাহির হলেম আসি			বিশ্বভাষ্যতী পত্রিকা : ন-১২। ১৩৬৫
হস্তে হস্ত আসি	১১ সাঘ ১৩৪৩	প্রধানী ১১। ১৩৪৩	প্রধানী ১১। ১৩৪৩ স্বরন্ধমা পত্রিকা ২
শাস্তিনিকেতন			

১. অঠবা : অহগ্রিচর, গীতবিভান ৩, পু. ১৬১।      ২. ১৩৪৩ সালে 'ডাকঘর' নাটকে সংযোজিত।

অধিকতর অনিমিট ও অনুনা বিভাগৰতী-অঙ্গুল  
আকাৰমাত্ৰিক অৱগণিপি -পঞ্জতিৰ সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

১. স ম গ ঘ প থ ন— সপ্তক। খোম-সপ্তকেৱ চিহ্ন ঘৰেৱ নৌচে হস্ত, যথা—  
প, ধ, এবং উচ্চ-সপ্তকেৱ চিহ্ন ঘৰেৱ মাথায় রেফ, যথা— স, রঁ।
২. কোমল র— র্থ, কোমল গ— জ, কড়ি ম— ঘ, কোমল ধ— দ এবং কোমল  
ন— ণ।
৩. ঝ' = অতিকোমল ঝয়ত। অতিকোমল ঝয়তেৱ স্থান স ও ঝ ঘৰৱয়েৱ  
মধ্যবর্তী। ঝ', দ', ন' = যথাক্রমে অতিকোমল গাঙ্কার, ধৈবত ও নিষাদ।  
ঝ' = অপুকোমল ঝয়ত। অপুকোমল ঝয়তেৱ স্থান ঝ ও র ঘৰৱয়েৱ মধ্যবর্তী।  
জ', ন', ন' = যথাক্রমে অপুকোমল গাঙ্কার, ধৈবত ও নিষাদ।
৪. একমাত্রা = ।। অৰ্ধমাত্রা = :। সিকিমাত্রা = ০। দুইটি অৰ্ধমাত্রা, যথা—  
সয়। চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগয়। দুইটি সিকিমাত্রা, যথা— সম্পঃ।  
একটি সিকিমাত্রা, যথা— স০। একটি অৰ্ধমাত্রা ও দুইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া  
একমাত্রা, যথা— সঃ গয়ঃ। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অৰ্ধমাত্রা মিলিয়া দুই  
মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ।
৫. কোনো আসল ঘৰেৱ পূৰ্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আহুষণিক ঘৰ একটু  
ছুইয়া যাব মাত্র, তাহা হইলে সেই ঘৰটি কুন্ত অক্ষয়ে আসল ঘৰেৱ বায়  
পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— ময়া গৱা। আসল ঘৰেৱ পৰে কখনো অক্ষ ঘৰেৱ  
উৎস বেশ লাগে; তখন ঐ ঘৰ কুন্ত অক্ষয়ে দক্ষিণ পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— মাস।
৬. বিৱাহেৱ চিহ্ন ও মাজাসমূহেৱ চিহ্ন একটি; হাইফেন-বিঞ্জিত হইলে এবং  
অৱাক্ষয়েৱ গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাজা, বিৱাহেৱ মাজা বলিয়া  
বুঝিতে হইবে। স্বৱেৱ ক্ষণিক স্তৰ্কাতকে বিৱাহ বলে।
৭. তাল-বিভাগেৱ চিহ্ন এক-একটি দাঢ়ি। সমে ও সম্ভ হইতে তালেৱ এক ফেৱা  
হইয়া গেলে দাঢ়িয়া স্থলে I একপ একটি ‘দণ্ড’ চিহ্ন বসে। প্রায় প্রত্যেক  
কলিৱ আৱলভে দুইটি দণ্ড বসে। বেথানে গান একেবাৱে শেষ হয় সেথানে  
চারিটি দণ্ড বসে।
৮. মাজাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছেৱ প্রথম মাজাৱ শিরোদেশে  
১, ২, ৩, ৪, ০ ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাক নিৰ্দেশ কৰে। শূল-চিহ্নে (০)  
কাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১') তাহাতেই সম্ভ বুঝিতে হইবে।
৯. আহামীতে প্রত্যাবৰ্তনেৱ চিহ্নস্বরূপ দুইটি কৱিয়া দণ্ড বসে। কোনো কলিৱ  
শেষে এই II যুগল দণ্ড এবং সবশেষে II II দুই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আহামীয়া  
প্রথমে বেথানে যুগল দণ্ড আছে সেইথান হইতে আবাপ আৱলভ কৱিবে।

১০ আহামীর আরতে, II এই যুগল দঙ্গের বাহিরে গানের অংশ গান  
ধরিবার সময় একবার থাক গাহিবে ; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই  
অংশটুকু “ ” একপ উন্ধতি-চিহ্নের মধ্যে পুনঃ পুনঃ শিখিত হইয়া থাকে ।

।  
১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দীঢ়ি, যথা— সা । হয় এইখানে  
একেবারে ধারিবে, নয় এইখানে ধারিয়া গানের অস্ত কলি ধরিবে ।

১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুচ্ছবজ্ঞনী ; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কড়কগুলি অয়  
বাল দিয়া বাইবায় চিহ্ন ( ) এই বক্ত বজ্ঞনী, যথা— { সা রা ( গা মা ) } । মা পা ।

১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্থানের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [ ] এই সরল  
[ রা গা ]

বজ্ঞনীচিহ্নের মধ্যে পরিবর্তিত অরগুলি স্থাপিত হয় ; যথা— { সা রা গা } ।  
কলির শেষে যুগল দঙ্গের মধ্যে ও সব-শেষে দুই প্রত্য যুগল দঙ্গের মধ্যে  
[ ] এই সরল বজ্ঞনী ধাকিলে, যথা— I [ ] I, II [ ] II, আহামীতে ফিরিয়া  
পরিবর্তিত হুর গাহিতে হয় ।

১৪ কোনো এক অয় অথন আর-এক অয়ের বিশেষজ্ঞপে গড়াইয়া থায়, তখন  
অয়ের নীচে এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে ; যথা— গা -পা ।

১৫ যখন অয়ের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তখন সেই অয় বা অরগুলির  
বাম পার্শ্বে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পংক্তিতে শূন্ত ( ০ ) দেওয়া হয় ;  
যথা— সা - । - । অথবা— সা -রা -গা -মা । একই অয় পৃথক বোঁকে  
বা । . . . . মা । . . .

উচ্চারিত হইলে সেই অয়ের বাম পার্শ্বেও হাইফেন বসে ; যথা—

সা -সা -রা -মা । অথবা— সা -সা -রা -মা ।

মা । . . . গা । . . ন

১৬ নীচে গানের অক্ষর অয়স্ত না হইলে উপরে অয়ের বাম পার্শ্বে হাইফেন ( - )  
বসে ; যথা— সা -রা -গা -মা । সা - । - ।

গা । . . ন গা । . . ন

উচ্চারণ । অরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথায় বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অহঘাসী  
বিশেষ করিয়া দেখাইতে বস্তু কলা হইয়াছে । C = এ এবং C = অ্যা, যেকপ বেদনা  
ও দেশ শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাত্মিত একারের মূল্যে ইতিপি কলা হইয়াছে । তাহা  
ছাড়া ‘অবেলাই’ বিশেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা ই । ‘মনে’— ম নে ।

# સ્વરબિત્તન

૬૦



ગુજરાત ૨૦૦૦ ટોકા